विश्वविद्यालय स्वतंत्र सोच और ज्ञान, सम्मान, मर्यादित, समाज को संवारने का स्थान होते हैं किंतु हाल ही में विश्वविद्यालयों में विरोध और हिंसा की घटनाओं के संदर्भ में विश्वविद्यालयों के स्वतंत्र विचार की स्वायत्तता की भूमिका पर टिप्पणी कीजिये।

हाल ही में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (JNU) में एवं अन्य कुछ विश्वविद्यालयों में विरोध और हिंसा, सरकार के खिलाफ प्रदर्शन की घटनायें, नारेबाजियाँ तथा इत्यादि देखने मिले हैं। क्योंकि संविधान के अनु-19 के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है परंतु कुछ विरोध प्रभाव भी इसमें शामिल है जैसे राष्ट्र की एकता व अखंडता को सुरक्षित रखना इत्यादि।

मूलतः विश्वविद्यालयों का मुख्य कार्य है कि वे वहाँ पढ़ने वाले युवाओं को वाद-विवाद, तर्क-वितर्क, विचार तथा समाज में संबंधित विषयक इत्यादि अन्य कार्यों में एकता लाना तथा में पारंगत करना, परंतु हाल के घटनाओं ने विश्वविद्यालय में हो रही बहुत सारी समस्यायें तथा झगड़े व हिंसा एक प्रश्नचिन्ह का तराने रूप में समझा जाता है। इसका मुख्य कारण है विश्वविद्यालयों में राजनैतिक का दखल [illegible] विद्यार्थियों को केवल वोट बैंक तथा [illegible] जहाँ तक उनके के आधार पर देखा जाना तथा राजनैतिक पार्टी द्वारा उपयोग अनैतिक कार्यों में उन राजनैतिक beaurecrats किया जा रहा है तथा दूसरी तरफ [illegible] अनावश्यक प्रयोग तथा अन्य [illegible] का [illegible] करना। साथ ही विश्वविद्यालय कार्य [illegible] के [illegible] द्वारा प्रशासन तथा अनुशासन संबंधी [illegible] के द्वारा [illegible] के बजाय उपेक्षा अपनाना तथा उन्हें [illegible] उनको [illegible] देना, जो इनके [illegible] तथा [illegible] वालों को और प्रोत्साहित करते हैं जैसे की JNU प्रशासन द्वारा [illegible] समय में

उपरोक्त स्थिति को देखते हुये विश्वविद्यालयों को उचित प्रक्रिया अपनाई जानी चाहिये, ताकि एक शिक्षित, बौद्धिक व सक्षम ~~समाज का निर्माण~~ युवाओं का निर्माण। समाज व राष्ट्र के लिये किया जा सके।

→ विश्वविद्यालय परिसर में राजनैतिक गतिविधियों को सीमित किया जाये एवं जो छात्र इनमें संलिप्त पाये जाते हैं उनके खिलाफ उचित कार्यवाही की जाये

→ इसी तरह TSR Subramanium के report के अनुसार शिक्षा पर GDP का 6% खर्च की फंडिंग की जाये, जिससे भी शिक्षा संबंधित समस्या का समाधान किया जा सके एवं विश्वविद्यालय अन्य राजनैतिक तथा निजी व्यक्तियों के संपर्क में ना आ सके।

→ एवं छात्रों व शिक्षकों दोनों पर Accountability एवं Responsibility का सीमित अवश्य होना चाहिये।

ISIS कुछ ही समय में हार के कगार पर है। इस संगठन के संदर्भ में इस बात का विश्लेषण करने की जरूरत है कि यह किस प्रकार विश्व और खासकर भारत की सुरक्षा के लिए क्या खतरे हो सकते हैं और इसके लिए हमें अपने आपको कैसे तैयार करना होगा।

हाल में ISIS के चीफ अबूबकर अल बगदादी ने अपनी हार स्वीकार की है तथा इस्तीफा दे दिया है। परंतु ~~उसने अपने~~ ~~[illegible] विज्ञप्ति दिया है कि या तो वे आत्मसमर्पण~~ ~~करें या~~ ISIS के पास अब मुख्यतः तीन विकल्प शेष हैं

→ या तो वे सीरिया में युद्ध को जारी रखें
→ या आत्मसमर्पण कर दें
→ या अपने राष्ट्र में वापस आकर इस युद्ध को जारी रखें।

उपरोक्त स्थिति को देखते हुए अंतिम विकल्प काफी घातक हो सकते हैं खासकर भारत के संदर्भ में जो की कई वर्षों से सरहदी आतंकवाद की चुनौतियों का सामना कर रहा है। हाल में UP ATS द्वारा लखनऊ में IS की एक आतंकवादी को एनकाउंटर में मारा गया जो कि तथा जिनके काफी [illegible] भारत में [illegible] बरामद किया गया है अर्थात् ISIS इनके अलावा [illegible] चुनौतियाँ पेश कर रहा है। ISIS का [illegible] और चुनौतियाँ भी किये जा रहे हैं। ISIS lone wolf attack भी मुख्यतः online प्रभावित करता है अपने लड़ाके को [illegible] बनाकर propaganda [illegible] तथा इस्लाम के [illegible] को [illegible] और [illegible] होते हैं अतः जिनके युवा [illegible] इस और [illegible] होता है कि किसी मुश्किल से [illegible] किया जाए। यह काफी [illegible] निपटना [illegible] आतंकवाद से पहले [illegible] चूँकि भारत पाकिस्तान समर्थित अन्दरूनी आतंकवादी से ही त्रस्त है अतः यहाँ पर ISIS की गतिविधियाँ काफी चिंतनीय हैं।

चूँकि 2015 में ISIS में शामिल होने वाले लोगों की संख्या का यदि तुलनात्मक अध्ययन किया जाए तो USA से 150 लोग, UK-760 लोग शामिल हुए हैं। जबकि भारत से केवल 23 लोग। क्या इस हद तक यह समझा जा सकता है कि भारत के मुस्लिम युवा इस संदर्भ में इतने अतिवादी नहीं? इससे भारत को थोड़ा राहत प्रदान करना है परंतु फिर भी ISIS की चुनौतियों का सामना करने व इनके खतरों को निष्फल करने हेतु निम्न उपाय किये जा सकते हैं

→ अति उच्च सक्रिय intelligence तथा स्रोतों को जानकारी में रखना

→ विभिन्न प्रकार के Counter Terror operation को जारी रखना

→ धार्मिक नेताओं का सहयोग व उनके विचारों को भटकील युवा के सामने रखना तथा आतंकवादी संगठन से युवाओं को दूर रहने के लिये करना। जैसे की पहिचानी देश की भारत सरकार कर रही हों

→ एवं मूलतः भारतीय नागरिक को इस संदर्भ में बहुत ही जागरूक तथा सक्रिय रहना होगा एवं कोई भी संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी स्थानीय पुलिस को मुहैया कराना। S.OW4I ।

GENERAL STUDIES HINDI

भारतीय शहरों में बेंगलोर के अन्दर होने के झीलों और शहरों में स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने में काफी भूमिका का सामाजिकरण निर्वाहन करते हैं।

वर्तमान में भारत में बढ़ते शहरीकरण व बढ़ते प्रदूषण के कारण आर्द्रभूमि को संरक्षित करना काफी आवश्यक हो गया है। चूंकि आर्द्रभूमि पारिस्थितिकी उत्पादकता के स्रोत होते हैं। स्पष्ट है कि आर्द्रभूमि के महत्व के कारण ही इन्हें 'किडनी' का दर्जा कहते हैं क्योंकि ये मानवीय गुर्दे के समान ही अपशिष्टों का अवशोषण करते हैं।

हाल ही में बेंगलुरु की एक झील में लगी आग के कारण आर्द्रभूमि की के संरक्षण में सरकार व आम लोगों का ध्यान आकर्षित किया है। एक सर्वे के अनुसार, भारत में लगभग 38 प्रतिशत आर्द्रभूमि नष्ट हो चुकी है। इसके पीछे अनेक कारण हैं। प्रथम, वर्तमान के वैश्वीकरण युग में बढ़ते शहरीकरण के कारण नम भूमि पर अतिक्रमण किया जाता है। दूसरे, औद्योगीकरण के कारण दूषित जलों व ठोस रासायनिक पदार्थों का प्रवाह इन नम भूमियों में किया जाता है। जिससे इनकी पारिस्थितिकी संतुलन बिगड़ता है। तृतीय, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन तकनीक की कमी के कारण इनका इस्तेमाल कूड़ेदान की तरह किया जाता है।

आर्द्रभूमि शहरों के स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र को बनाये रखने में काफी मदद करते हैं। नम भूमि एक प्राकृतिक फिल्टर की तरह कार्य करते हैं।

GENERAL STUDIES HINDI

GENERAL STUDIES HINDI

GENERAL STUDIES HINDI